अष्टम: पाठ: जटायो: शौर्यम्

स्मरणीय तथ्य

- 'जटायो: शौर्यम्' पाठ आदिकवि वाल्मीकि प्रणीत रामायणम् के अरण्यकाण्ड से उद्धृत किया गया है जिसमें जटायु और रावण के युद्ध का वर्णन है।
- पंचवटी जंगल में सीता का करुण विलाप सुनकर पक्षिश्रेष्ठ जटायु उनकी रक्षा के लिए दौड़ते हैं |
- वे महाबली जटायु अपने तीखे नखों तथा पञ्जों से रावण के शरीर में अनेक घाव कर देते हैं, जिसके कारण रावण रथहीन होकर पृथ्वी पर गिर पड़ता है।
- कुछ ही क्षणों बाद क्रोधित रावण जटायु पर प्राणघातक प्रहार करता है परंतु पक्षिश्रेष्ठ जटायु उससे अपना बचाव कर उस पर चञ्चु प्रहार करते हैं, उसके बायें भाग की दशों भुजाओं को क्षत-विक्षत कर देते हैं |

बहुविकल्पात्मका: प्रश्ना:-

1. **आयतलोचना का आसीत् ?**
   क. सीता　　ख. रमा
   ग. लता　　घ. माला
2. **जटायु: क: आसीत् ?**
   क. मयूरराज:　　ख. गिद्धराज:
   ग. गजराज:　　घ. रामराज:
3. **सीता कं ददर्श ?**
   क. वृद्धम्　　ख. राक्षसम्
   ग. गृध्रम्　　घ. नृपम्
4. **'विलपन्ती' इति पदस्य विपर्ययपदं किम् अस्ति ?**
   क. रोदति　　ख. गर्जति
   ग. हसन्ती　　घ. भ्रमति
5. **क: राक्षसेन्द्र: आसीत् ?**
   क. राम:　　ख. रावण:
   ग. कृष्ण:　　घ. मोहन:
6. **'वनस्पतिगतं गृध्रम्' अनयो: पदयो: विशेषणपदं किम् ?**
   क. गृध्रम्　　ख. वनस्पतिगतम्
   ग. वनस्पतिगतंगृध्रम्　　घ. वनस्पतिम्
7. **केन सीता अनाथवत् ह्रियमाणा आसीत् ?**
   क. सर्पेण　　ख. मयूरेण
   ग. कृष्णेन　　घ. रावणेन
8. **जटायु: प्रथमं कं निरीक्षितवान् ?**
   क. मनोजम्　　ख. राघवम्
   ग. इन्द्रम्　　घ. रावणम्
9. **भिन्नवर्गीयं पदं चिनुत-**
   क. सरित्　　ख. तटिनी
   ग. तरङ्गिणी　　घ. सलिलम्
10. **रावणं निरीक्ष्य स: जटायु: क्षिप्रं कां ददर्श ?**
   क. वैदेहीम्　　ख. धन्वी
   ग. सारथी　　घ. वाणी
11. **कीदृश: जटायु: तं शब्दं शुश्रुवे ?**
   क. आशु　　ख. अवसुप्त:
   ग. नीचाम्　　घ. शुभाम्
12. **'वैदेहीं च ददर्श स:' अत्र क्रियापदं किम्?**
   क. वैदेहीं　　ख. च
   ग. ददर्श　　घ. स:
13. **खगोत्तम: क: आसीत् ?**
   क. जटायु:　　ख. वानर:
   ग. चटका　　घ. कपोत:
14. **'धन+ णिनि' प्रत्यये कृते सति -**
   क. धनिन्　　ख. शरिन्
   ग. दण्डिन्　　घ. कवचिन्
15. **जटायो: तुण्ड: कीदृश: आसीत् ?**
   क. तीक्ष्ण:　　ख. उच्च:
   ग. मन्द:　　घ. नीच:
16. **'नीत्वा' इत्यर्थे किं पदं प्रयुक्तम् ?**
   क. कुशली　　ख. कवची
   ग. आदाय　　घ. युवा
17. **'महत्+धनु:' सन्धि: भवति -**
   क. महद्धनु:　　ख. महतधनु:
   ग. महधनु:　　घ. मधनु:
18. **'श्रीमान्व्याजहार' विच्छेद: भवति-**
   क. श्रीमान्व्या+जहार　　ख. श्रीमान्+व्याजहार
   ग. श्रीमान + न्व्याजहार　　घ. श्री+मान्व्याजहार
19. **क: आत्मानं वृद्ध: वदति?**
   क. राम:　　ख. कृष्ण:
   ग. रावण:　　घ. जटायु:
20. **क: सरथ: अस्ति ?**
   क. मोहन:　　ख. रावण:
   ग. श्रवण:　　घ. लक्ष्मण :
21. **'गमिष्यसि' इत्यस्मिन् पदे क: लकार: अस्ति ?**
   क. लट्　　ख. लङ्
   ग. लृट्　　घ. लोट्
22. **क: वैदेहीम् आदाय कुशली न गमिष्यति ?**
   क. भरत:　　ख. राम:

ग. रावण:　　घ. जटायु:

23. 'वाणीम्' इति पदस्य पर्यायपदं किम् अत्र प्रयुक्तम्?
क. गिरम्　　ख. पश्य
ग. मतिम्　　घ. क्षिप्रम्

24. रावण: कीदृशीं मतिं निवर्तयतु ?
क. नीचाम्　　ख. मन्दम्
ग. तीव्रम्　　घ. उच्चम्

25. रावण: कस्या: अभिमर्शनात् निवर्तयतु ?
क. परदाराया:　　ख. दाराया:
ग. स्वदाराया:　　घ. पर:

26. 'त्रयाणां लोकानां समाहार: ' इति समस्तं पदं रचयत -
क. पञ्चवटी　　ख. सप्तपदी
ग. अष्टभुजी　　घ. त्रिलोकी

27. क: पतगसत्तम:?
क. जटायु:　　ख. रावण:
ग. सीता　　घ. लक्ष्मण :

28. क: भग्नधन्वा अभवत् ?
क. राम:　　ख. जटायु:
ग. रावण:　　घ. वैदेही

29. रावणस्य उपरि क: आक्रमणम् अकरोत् ?
क. जटायु:　　ख. दारा
ग. वैदेही　　घ. आशु

30. 'सा तदा करुणावाचो।' अत्र कर्तृपदं किमस्ति?
क. सा　　ख. तदा
ग. करुणा　　घ. वाचो

बहुविकल्पात्मक-प्रश्नानाम् उत्तराणि

1. क. सीता
2. ख. गिद्धराज:
3. ग. गृध्रं
4. ग. हसन्ती
5. ख. रावण:
6. ख. वनस्पतिगतम्
7. घ. रावणेन
8. घ. रावणम्
9. घ. सलिलम्
10. क. वैदेहीम्
11. ख. अवसुप्त:
12. ग. ददर्श
13. क. जटायु:
14. क. धनिन्
15. क. तीक्ष्णतुण्ड:
16. ग. आदाय
17. क. महद्धनु:
18. ख. श्रीमान्+व्याजहार
19. घ. जटायु:
20. ख. रावण:
21. ग. लृट्
22. ग. रावण:
23. क. गिरम्
24. क. नीचाम्
25. क. परदाराया:
26. घ. त्रिलोकी
27. क. जटायु:
28. ग. रावण:
29. क. जटायु:
30. क. सा

अतिलघूत्तरीया: प्रश्ना:

एकपदेन उत्तरत-

1. खगोत्तम: कीदृशीं गिरं व्याजहार?
2. जटायु: काभ्यां रावणस्य गात्रे व्रणं चकार?
3. अरिन्दम: खगाधिप: कति बाहून् व्यपाहरत् ?
4. "जटायो! पश्य" इति का वदति ?
5. जटायु: केन वामबाहुं दंशति?

विपर्यय- पदानि लिखत-

6. अनार्य-
7. युवा-
8. मन्दम्-
9. दक्षिणेन-
10. अनतिक्रम्य-

समस्तं पदं रचयत -

11. चतुर्णां मुखानां समाहार:-
12. त्रयाणां भुवनानां समाहार:-
13. पञ्चानां पात्राणां समाहार:-
14. अष्टानाम् अध्यायानां समाहार:-　　शृ
15. सप्तानां पदानां समाहार:-

अतिलघूत्तरीय-प्रश्नानाम् उत्तराणि

1. शुभाम्
2. तीक्ष्णनख - चरणाभ्याम्
3. दश
4. सीता
5. तुण्डेन
6. आर्य
7. वृद्ध:
8. क्षिप्रम्

9. वामेन
10. अतिक्रम्य
11. चतुर्मुखम्
12. त्रिभुवनम्
13. पञ्चपात्रम्
14. अष्टाध्यायी
15. सप्तपदी

लघूत्तरीया: प्रश्ना:

पूर्णवाक्येन उत्तरत-

1. वनस्पतिगत: क: आसीत् ?
2. "जटायो! पश्य" इति का वदति?
3. पतगेश्वर: रावणस्य कीदृशं सशरं चापं बभञ्ज ?
4. जटायु: व्रणान् कुत्र चकार?
5. क्रोधवशात् रावण: किं कर्तुम् उद्‌यत: अभवत्?

लघूत्तरीया: प्रश्नानाम् उत्तराणि

1. वनस्पतिगत: गृध्र: आसीत्।
2. "जटायो! पश्य" इति सीता वदति ।
3. पतगेश्वरः रावणस्य मुक्तामणिविभूषितं सशरं चापं बभञ्ज।
4. जटायु: व्रणान् गात्रे चकार ।
5. क्रोधवशात् रावण: तलेन आशु-जटायुम् अभिजघातुम् उद्‌यत: अभवत् ।

दीर्घोत्तरीय-प्रश्ना:

1. संस्कृतभाषायाम् अनुवादं कुरुत -

क. संस्कृत सभी भाषाओं की जननी है।
ख. तुम पढ़ने के लिए विद्‌यालय जाते हो।
ग. बालक विद्‌यालय से आता है।
घ. वह गणित में तीव्रबुद्धि वाला है।
ङ. वह हाथ से लिखता है।

2. अधोलिखितं अनुच्छेदं पठित्वा निर्देशानुसारं प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत -

मुखे रोटिकाखण्डं गृहीत्वा एकः काकः वृक्षे उपविष्टः आसीत्। एक: श्रृगालः तं दृष्ट्वा अवदत्- भो मित्र! खगेषु भवान् एव सुन्दरः, चतुरः, मधुर-गायकः च । कृपया गायतु इति। रोटिकाखण्डं पादयोः अधः स्थापयित्वा काकः अवदत्- रे पूर्ववत् मूर्ख! गता ते दिवसाः । तर्हि गच्छतु इति। लज्जितः श्रृगालः शिरः नत्वा ततः पलायित:।

i. एकपदेन उत्तरत-

(क) काकस्य मुखे किम् आसीत् ?
(ख) वृक्षे कः उपविष्टः आसीत् ?

ii. पूर्णवाक्येन उत्तरत-

(क) काक: रोटिकाखण्डं कुत्र अस्थापयत् ?
(ख) कः काकस्य उत्तरं श्रुत्वा लज्जितः अभवत् ?

iii. निर्देशानुसारम् उत्तरत-

(क) 'लज्जितः श्रृगालः' अनयो: पदयो: विशेषणपदं किम्?
(ख) स्थापयित्वा पदे कः प्रत्ययः ?
(ग) 'गायतु' इत्यस्मिन् पदे कः लकारः ?
(घ) 'रोटिकाखण्डम् ' पदे क: समास:?

3. निम्नचित्रं दृष्ट्वा मञ्जूषायाश्च पदानि नीत्वा सरलसंस्कृतभाषायां पञ्चवाक्यानि लिखत-

वाटिका, वृक्षा:, जले, खगा:, नीडेषु, सरिता, मत्स्यो:, शावका:, कच्छपा:, विशाला

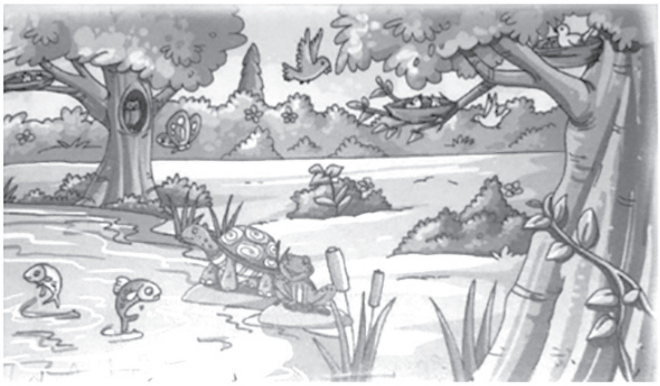

दीर्घोत्तरीय-प्रश्नानाम् उत्तराणि

1. (क) संस्कृतं सर्वासां भाषाणां जननी अस्ति।
(ख) त्वं पठितुं विद्‌यालयं गच्छसि।
(ग) बालक: विद्‌यालयात् आगच्छति।
(घ) स: गणिते तीव्रबुद्धि: अस्ति।
(ङ) स: हस्तेन लिखति।

2. i. (क) रोटिकाखण्डम्
(ख) काकः

ii. (क) काकः रोटिकाखण्डं पादयोः अधः अस्थापयत् ।
(ख) शृगालः काकस्य उत्तरं श्रुत्वा लज्जितः अभवत् ।

iii. (क) लज्जितः
(ख) क्त्वा
(ग) लोट्
(घ) तत्पुरुष:

3. (क) इयं वाटिका विशाला अस्ति।
(ख) वाटिकायां वृक्षा: पादपा: लता: च सन्ति।
(ग) वृक्षेषु खगा: तिष्ठन्ति।
(घ) तेषां शावका: नीडेषु वसन्ति।
(ङ) सरितायां मत्स्या: कच्छपा: च सन्ति।